चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 12.7.2019 पृष्ठ सं. 15 कॉलम 1-4

युवाओं और किसानों से मांगे बिजनेस आइडिया

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने किसानों को व्यावसायिक के रूप में बढ़ावा देने के लिए एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर से एक कार्यक्रम 'पहल' 2019 की शुरूआत की है। इसके तहत कृषि और इससे जुड़े क्षेत्र को लेकर कोई भी आइडिया हो तो उससे संबंधित प्रस्ताव 15 जुलाई तक एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर, गांधी भवन, सीसीएसएचएयू हिसार और मेल पर भेजे जा सकते हैं। आवेदन का प्रारूप और विवरण वेबसाइट एचएयू की वेबसाइट पर लेटेस्ट न्यूज के तहत उपलब्ध है। जिसका आइडिया सही होगा, उसका स्क्रूटनी के माध्यम से चयन किया जाएगा।

किसानों को कृषि व्यवसाय से जोड़कर उत्पादों का दाम बढ़ाना मकसद : विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि किसानों को कृषि व्यवसाय से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय में एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर की स्थापना की गई हैं। इसी के तहत विद्यार्थियों, युवाओं और किसानों से उनके आइडिया के साथ आवेदन मांगे गए हैं। इस सेंटर की सहायता से कई उभरते उद्यमियों को फायदा होगा और रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। हम चाहते हैं कि अधिक से अधिक लोग कृषि व्यवसाय से जुड़ें और अपने उत्पाद का ज्यादा से ज्यादा दाम प्राप्त कर सकें।

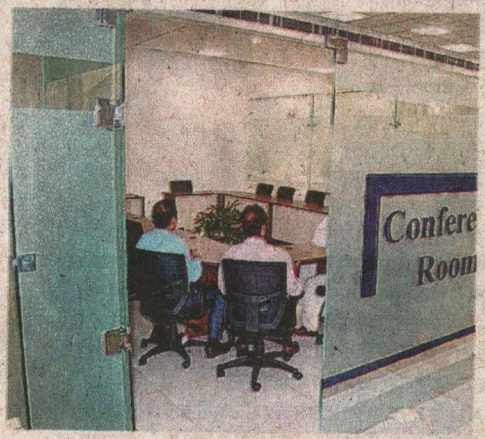

एचएयू स्थित इंक्यूबेशन सेंटर। ● जागरण

बेहतर आडिया देने वालों को मिलेगा पांच से 25 लाख रुपये तक का अनुदान

'पहल' 2019 के अंतर्गत चयन किए गए आइडिया के दम पर संबंधित व्यक्ति को पांच लाख से लेकर 25 लाख तक का अनुदान मिलेगा व उसे प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। 'पहल' कार्यक्रम सभी व्यक्तियों के लिए है इसमें किसी तरह की बाध्यता नहीं है। जिसके पास कृषि और इससे संबंधित बिजनेस आइडिया हो वह अपना प्रस्ताव विश्वविद्यालय में भेज सकता है। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने एचएयू को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना रफ्तार के तहत एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर के रूप में चयनित किया था। जिन कृषि व्यवसायियों के आइडिया का चयन होगा, उनकी ट्रेनिंग भी एग्री इनक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से ही होगी।

30 बिजनेस आइडिया का होगा चयन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एग्री बिजनेस सेंटर की नोडल अधिकारी सीमा रानी ने बताया की 'पहल' योजना के अंतर्गत स्क्रूटनी के माध्यम से 30 बिजनेस आइडिया का चयन किया जाएगा। चयनित प्रशिक्षुओं को दो महीने की ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके लिए उन्हें प्रतिमाह 10 हजार का स्टाइफंड दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को कृषि उद्यमिता की तरफ आकर्षित करना आवश्यक है, इस कार्यक्रम से अपने क्षेत्र में बहुत से स्टार्टअप शुरू हो सकते हैं और युवा अपना व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। इससे मिलने वाला अनुदान पूर्ण रूप से सहायता राशि है।

यह होगी पात्रता

1. आवेदक एक भारतीय नागरिक होना चाहिए।
2. आवेदक के पास अपना नवीन विचार होना चाहिए, जो प्रौद्योगिकी, सेवा, व्यापार पर आधारित हो और उससे कृषि एवं कृषि से जुड़े क्षेत्र में दक्षता विस्तार होता हो।
3. आवेदक के पास अपने नवीन व्यवसाय का मॉडल/योजना हो, जिसमें वह कार्य करना चाहता है।
4. चयनित प्रशिक्षु को एग्रीप्रोनियरशिप ओरिंटेशन प्रोग्राम (एओपी) की अवधि के लिए आर-एबीआई चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में इन्यूबेशन कार्यक्रम के लिए पंजीकृत होना चाहिए।

एचएयू में यहां कर सकते हैं संपर्क किसान

मोबाइल नंबर - 7206734901, 9991689999 पर।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 12.7.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-4

एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर से 'पहल' कार्यक्रम 2019 की हुई शुरुआत, 15 जुलाई तक आवेदन

एचएयू में एबिक सेंटर में स्टार्टअप प्लान देने के लिए 5 दिन बाकी, चयनित प्रोजेक्ट के लिए 5 से 25 लाख रुपए मिलेंगे

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने किसानों को व्यावसायिक के रूप में बढ़ावा देने के लिए एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर से एक कार्यक्रम 'पहल' 2019 की शुरुआत की है। इसके तहत कृषि और इससे जुड़े क्षेत्र को लेकर कोई भी आइडिया हो तो उससे संबंधित प्रस्ताव 15 जुलाई तक एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर, गांधी भवन, सीसीएसएचएयू व मेल पर भेजे जा सकते हैं। आवेदन का प्रारूप व विवरण वेबसाइट पर है। जिसका आइडिया सही होगा उसका स्क्रूटनी के माध्यम से चयन किया

जाएगा और अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार को भेजा जाएगा।

एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि किसानों को कृषि व्यवसाय से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय में एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर की स्थापना की हैं। इससे कई उभरते उद्यमियों को फायदा होगा और रोजगार के अवसर पैदा होंगे। हम चाहते हैं कि अधिक से अधिक लोग कृषि व्यवसाय से जुड़े और अपने उत्पाद का ज्यादा से ज्यादा दाम प्राप्त कर सकें। 'पहल' 2019 के अंतर्गत चयन किए गए आइडिया के दम पर संबंधित व्यक्ति को 5 लाख से लेकर 25 लाख तक का अनुदान मिलेगा। उसे प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। 'पहल' कार्यक्रम सभी व्यक्तियों के लिए है इसमें किसी तरह की बाध्यता नहीं है जिसके पास कृषि व इससे संबंधित बिजनेस आइडिया हो वह अपना प्रस्ताव विश्वविद्यालय में भेज सकता है।

30 बिजनेस आइडिया का किया जाएगा चयन

एग्री बिजनेस सेंटर की नोडल अधिकारी सीमा रानी ने बताया कि 'पहल' योजना के अंतर्गत स्क्रूटनी के माध्यम से 30 बिजनेस आइडिया का चयन किया जाएगा और चयनित प्रशिक्षुओं को 2 महीने की ट्रेनिंग दी जाएगी इसके लिए उन्हें प्रतिमाह 10000 का स्टायफंड दिया जाएगा।

आवेदन के लिए पात्रता के ये हैं मानक

- आवेदक भारतीय नागरिक होना चाहिए। • आवेदक के पास अपना नवीन विचार होना चाहिए जो प्रौद्योगिकी, सेवा, व्यापार पर आधारित हो और उससे कृषि एवं कृषि से जुड़े क्षेत्र में दक्षता विस्तार होता हो।
- आवेदक के पास अपने नवीन व्यवसाय का मॉडल/योजना हो जिसमें वह कार्य करना चाहता है।
- चयनित प्रशिक्षु को एग्रीप्रोनियरशिप ओरिटेशन प्रोग्राम (एओपी) की अवधि के लिए आर-एबीआई चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में इन्यूबेशन कार्यक्रम के लिए पंजीकृत होना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....हरि. भूमि....

दिनांक 12.7.2019 पृष्ठ सं. ...12... कॉलम ...5-8...

हकृवि ने की 'पहल' 2019 की शुरुआत

गुड आइडिया लगा तो मिलेंगे 25 लाख

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने किसानों को व्यावसायिक के रूप में बढ़ावा देने के लिए एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर से एक कार्यक्रम 'पहल' 2019 की शुरुआत की है। इसके तहत कृषि और इससे जुड़े क्षेत्र को लेकर कोई भी आइडिया हो तो उससे संबंधित प्रस्ताव 15 जुलाई तक एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर, गांधी भवन, हकृवि व ईमेल द्वारा भेजे जा सकते हैं।

- हकृवि ने विद्यार्थियों, युवाओं व किसानों से मांगे आइडिया के साथ आवेदन

आवेदन का प्रारूप व विवरण वेबसाइट पर लेटेस्ट न्यूज के अंतर्गत उपलब्ध है। जिसका आइडिया सही होगा उसका स्क्रूटनी के माध्यम से चयन किया जाएगा और अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार को भेजा जाएगा।

उद्यमियों को होगा फायदा : प्रो. सिंह

विवि कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने कहा कि किसानों को कृषि व्यवसाय से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय में एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर की स्थापना की गई है। इसी के तहत विद्यार्थियों, युवाओं और किसानों से उनके आइडिया के साथ आवेदन मांगे गए हैं। इस सेंटर की सहायता से कई उभरते उद्यमियों को फायदा होगा और रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। 'पहल' 2019 के अंतर्गत चयन किए गए आइडिया के दम पर संबंधित व्यक्ति को 5 लाख से लेकर 25 लाख तक का अनुदान मिलेगा व उसे प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। 'पहल' कार्यक्रम सभी व्यक्तियों के लिए है। इसमें किसी तरह की बाध्यता नहीं है जिसके पास कृषि व इससे संबंधित बिजनेस आइडिया हो वह अपना प्रस्ताव विश्वविद्यालय में भेज सकता है।

आवेदन के लिए पात्रता मानदंड

आवेदक भारतीय नागरिक होना चाहिए।

आवेदक के पास अपना नवीन विचार होना चाहिए जो प्रोद्योगिकी, सेवा, व्यापार पर आधारित हो और उससे कृषि एवं कृषि से जुड़े क्षेत्र में दक्षता विस्तार होता हो।

आवेदक के पास अपने नवीन व्यवसाय का मॉडल/योजना हो जिसमें वह कार्य करना चाहता है।

चयनित प्रशिक्षु को एंटीप्रोनियरशिप ओरिटेंशन प्रोग्राम (एओपी) की अवधि के लिए आर-एबीआई हकृवि में इन्क्यूबेशन कार्यक्रम के लिए पंजीकृत होना चाहिए।

30 बिजनेस आइडिया का होगा चयन

कृषि विश्वविद्यालय एग्री बिजनेस सेंटर की नोडल अधिकारी सीमा रानी ने बताया कि 'पहल' योजना के अंतर्गत स्क्रूटनी के माध्यम से 30 बिजनेस आइडिया का चयन किया जाएगा और चयनित प्रशिक्षुओं को 2 महीने की ट्रेनिंग दी जाएगी इसके लिए उन्हें प्रतिमाह 10 हजार का स्टाईफंड दिया जाएगा। उन्होंने कहा युवाओं को कृषि उद्यमिता की तरफ आकर्षित करना आवश्यक है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....

दिनांक 12.7.2019 पृष्ठ सं. ..... 5 ..... कॉलम ..... 3-5 .....

युवाओं से मांगें बिजनेस आइडिया

बेस्ट हुआ तो मिलेगा 25 लाख तक का अनुदान, 15 जुलाई तक भेजा जा सकता है प्रस्ताव

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी (एचएयू) ने युवाओं से कृषि और उससे जुड़े क्षेत्र को लेकर बिजनेस आइडिया मांगें है। यदि कोई आइडिया बेस्ट हुआ तो आइडिया भेजने वाले को पांच लाख से लेकर 25 लाख रुपये तक की अनुदान राशि दी जाएगी। ये आइडिया 15 जुलाई तक भेजे जा सकते हैं। बेस्ट आइडिया का स्क्रूटनी के माध्यम से चयन किया जाएगा और फिर उस आइडिया को अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के पास भेजा जाएगा।

बता दें कि किसानों को कृषि व्यवसाय से जोड़ने के लिए यूनिवर्सिटी में एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर की स्थापना की गई है। इसके तहत विद्यार्थियों, युवाओं और किसानों से उनके आइडिया के साथ आवेदन मांगे गए हैं। इस सेंटर की सहायता से कई उभरते उद्यमियों को फायदा होगा और रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। सेंटर की नोडल अधिकारी सीमा रानी ने बताया कि 'पहल' योजना के अंतर्गत स्क्रूटनी के माध्यम से 30 बिजनेस आइडिया का चयन किया जाएगा। चयनित प्रशिक्षुओं को दो महीने की ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके अलावा उन्हें प्रतिमाह 10 हजार का स्टाइ फंड दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम से अपने क्षेत्र में बहुत से स्टार्ट अप शुरू हो सकते हैं और युवा अपना व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। इस कार्यक्रम की अच्छी बात यह है कि इस से मिलने वाला अनुदान पूर्ण रूप से सहायता राशि है।

आवेदन के लिए पात्रता

- आवेदक भारतीय नागरिक होना चाहिए।
- आवेदक के पास अपना नवीन विचार होना चाहिए जो प्रौद्योगिकी, सेवा, व्यापार पर आधारित हो और उससे कृषि एवं कृषि से जुड़े क्षेत्र में दक्षता विस्तार होता हो।
- आवेदक के पास अपने नवीन व्यवसाय का मॉडल/योजना हो जिसमें वह कार्य करना चाहता है।
- चयनित प्रशिक्षु को एग्री प्रन्योरशिप ओरिएंटेशन प्रोग्राम (एओपी) की अवधि के लिए आर-एबीआई एचएयू हिसार में इंक्यूबेशन कार्यक्रम के लिए पंजीकृत होना चाहिए।

> 'पहल' कार्यक्रम सभी व्यक्तियों के लिए है। इसमें किसी तरह की बाध्यता नहीं है, जिसके पास कृषि व इससे संबंधित बिजनेस आइडिया हो वह अपना प्रस्ताव विश्वविद्यालय में भेज सकता है। हम चाहते हैं कि अधिक से अधिक लोग कृषि व्यवसाय से जुड़े और अपने उत्पाद का ज्यादा से ज्यादा दाम प्राप्त कर सकें।
>
> **-डॉ. केपी सिंह, वाइस चांसलर, एचएयू**

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पंजाब केसरी

दिनांक 12.7.2019 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 1-2

युवाओं से मांगा बिजनैस आइडिया, अच्छा हुआ तो मिलेंगे 5 से 25 लाख रुपए

15 जुलाई तक भेज सकते हैं आइडिया

हिसार, 11 जुलाई (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने किसानों को व्यावसायिक के रूप में बढ़ावा देने के लिए एग्रीबिजनैस इनक्यूबेशन सैंटर से एक कार्यक्रम 'पहल' 2019 की शुरूआत की है। इसके तहत कृषि और इससे जुड़े क्षेत्र को लेकर कोई भी आइडिया हो तो उससे संबंधित प्रस्ताव 15 जुलाई तक एग्रीबिजनैस इनक्यूबैशन सैंटर, गांधी भवन, ह.कृ.वि. व मेल द्वारा पर भेजे जा सकते हैं, जिसका आइडिया सही होगा उसका स्क्रूटनी के माध्यम से चयन किया जाएगा और अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार को भेजा जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने कहा कि 'पहल' 2019 के अंतर्गत चयन किए गए

30 बिजनैस आइडिया का होगा चयन

चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एग्री बिजनैस सैंटर की नोडल अधिकारी सीमा रानी ने बताया की 'पहल' योजना के अंतर्गत स्क्रूटनी के माध्यम से 30 बिजनैस आइडिया का चयन किया जाएगा और चयनित प्रशिक्षुओं को 2 महीने की ट्रेनिंग दी जाएगी।

आइडिया के दम पर संबंधित व्यक्ति को 5 लाख से लेकर 25 लाख तक का अनुदान मिलेगा व उसे प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

'पहल' कार्यक्रम सभी व्यक्तियों के लिए है इसमें किसी तरह की बाध्यता नहीं है, जिसके पास कृषि व इससे संबंधित बिजनैस आइडिया हो वह अपना प्रस्ताव विश्वविद्यालय में भेज सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....नभ-छोर....
दिनांक 11.7.2019 पृष्ठ सं. ....3.... कॉलम ....1-4....

युवाओं से मांगे बिजनेस आइडिया, अच्छा हुआ तो पांच से पच्चीस लाख रूपये मिलेंगे

हिसार/11 जुलाई/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने किसानों को व्यावसायिक के रूप में बढ़ावा देने के लिए एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर से एक कार्यक्रम 'पहल' 2019 की शुरूआत की है। इसके तहत कृषि और इससे जुड़े क्षेत्र को लेकर कोई भी आइडिया हो तो उससे संबंधित प्रस्ताव 15 जुलाई तक एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशनै सेंटर, गांधी भवन, सीसीएसएचएयू, हिसार व मेल द्वारा भेजे जा सकते हैं, आवेदन का प्रारूप व विवरण वेबसाइट में उपलब्ध हैं। जिसका आइडिया सही होगा उसका स्क्रूटनी के माध्यम से चयन किया जाएगा और अनुदान राशि के लिए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय को भेजा जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि किसानों को कृषि व्यवसाय से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय में एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर की स्थापना की गई हैं। इसी के तहत विद्यार्थियों, युवाओं और किसानों से उनके आइडिया के साथ आवेदन मांगे गए हैं। इस सेंटर की सहायता से कई उभरते उद्यमियों को फायदा होगा और रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। 'पहल' 2019 के अंतर्गत चयन किए गए आइडिया के दम पर संबंधित व्यक्ति को 5 लाख से लेकर 25 लाख तक का अनुदान मिलेगा व उसे प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। 'पहल' कार्यक्रम सभी व्यक्तियों के लिए है इसमें किसी तरह की बाध्यता नहीं है जिसके पास कृषि व इससे संबंधित बिजनेस आइडिया हो वह अपना प्रस्ताव विश्वविद्यालय में भेज सकता है। गौरतलब है कि भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि बिश्वविद्यालय को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना रफ्तार के तहत एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर के रूप में चयनित किया था। जिन कृषि व्यवसायियों के आइडिया का चयन होगा उनकी ट्रेनिंग भी एग्री इनक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से ही होगी। सेंटर की नोडल अधिकारी सीमा रानी ने बताया की 'पहल' योजना के अंतर्गत स्क्रूटनी के माध्यम से 30 बिजनेस आइडिया का चयन किया जाएगा और चयनित प्रशिक्षुओं को 2 महीने की ट्रेनिंग दी जाएगी इसके लिए उन्हें प्रतिमाह 10000 का स्टाइ फंड दिया जाएगा। उन्होंने कहा युवाओं को कृषि उद्यमिता की तरफ आकर्षित करना आवश्यक है , इस कार्यक्रम से अपने क्षेत्र में बहुत से स्टार्ट अप शुरू हो सकते हैं, व युवा अपना व्यवसाय शुरू कर सकते हैं, इस कार्यक्रम की अच्छी बात यह है कि इस से मिलने वाला अनुदान पूर्ण रूप से सहायता राशि है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम सिटी पल्स

दिनांक 11.7.2019 पृष्ठ सं. 1 कॉलम 6-8

युवाओं से मांगे बिजनेस आइडिया, अच्छा हुआ तो 5 से 25 लाख रुपए मिलेंगे

'पहल' योजना के अंतर्गत स्क्रूटनी के माध्यम से 30 बिजनेस आइडिया का चयन किया जाएगा

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने किसानों को व्यावसायिक के रूप में बढ़ावा देने के लिए एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर से एक कार्यक्रम 'पहल' 2019 की शुरूआत की है। इसके तहत कृषि और इससे जुड़े क्षेत्र को लेकर कोई भी आइडिया हो तो उससे संबंधित प्रस्ताव 15 जुलाई तक एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर, गांधी भवन, सीसीएसएचएयू, हिसार व abicccshau@gmail.com पर भेजे जा सकते हैं, आवेदन का प्रारूप व विवरण वेबसाइट www.hau.ac.in पर लेटेस्ट न्यूज के अंतर्गत उपलब्ध है। जिसका आइडिया सही होगा उसका स्क्रूटनी के माध्यम से चयन किया जाएगा और अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार को भेजा जाएगा। कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने कहा कि किसानों को कृषि व्यवसाय से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय में एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर की स्थापना की गई हैं। इसी के तहत विद्यार्थियों, युवाओं और किसानों से उनके आइडिया के साथ आवेदन मांगे गए हैं। इस सैंटर की सहायता से कई उभरते उद्यमियों को फायदा होगा और रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

'पहल' 2019 के अंतर्गत चयन किए गए आइडिया के दम पर संबंधित व्यक्ति को 5 लाख से लेकर 25 लाख तक का अनुदान मिलेगा व उसे प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। 'पहल' कार्यक्रम सभी व्यक्तियों के लिए है इसमें किसी तरह की बाध्यता नहीं है जिसके पास कृषि व इससे संबंधित बिजनेस आइडिया हो वह अपना प्रस्ताव विश्वविद्यालय में भेज सकता है। विश्वविद्यालय एग्री बिजनेस सेंटर की नोडल अधिकारी सीमा रानी ने बताया की 'पहल' योजना के अंतर्गत स्क्रूटनी के माध्यम से 30 बिजनेस आइडिया का चयन किया जाएगा और चयनित प्रशिक्षुओं को 2 महीने की ट्रेनिंग दी जाएगी इसके लिए उन्हें प्रतिमाह 10000 का स्टाइफंड दिया जाएगा।